# फिंगरप्रिंट के समान है हमारा सूक्ष्मजीव प्रिंट

शायद यह सुनकर अच्छा न लगे मगर मनुष्य (यानी हम सब) प्रति घंटे कोई 10 लाख कण हवा में बिखराते हैं। और इन कणों की इस धुंध में कई सारे सूक्ष्मजीव भी होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि यह सूक्ष्मजीव युक्त धुंध हर व्यक्ति के लिए इतनी विशिष्ट व अनूठी होती है कि इसकी मदद से व्यक्ति को पहचाना जा सकता है।

ओरेगन विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव इकॉलॉजिस्ट एडम आलट्रिक्टर के मुताबिक हम सूक्ष्मजीवों के रहवास हैं। यह बात उन्होंने हाल ही में किए गए एक प्रयोग के आधार पर शोध पत्रिका *पीयर जे* में प्रकाशित की है।

दरअसल, जीव वैज्ञानिकों का हमेशा से अनुमान रहा है कि हम प्रति घंटे करीब 10 लाख कण त्यागते हैं और इन कणों में लाखों बैक्टीरिया भी होते हैं। आलट्रिक्टर और उनके साथी कणों की इस धुंध को नापना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 11 वालंटियर्स नियुक्त किए। इन वालंटियर्स से कहा गया कि वे नहाना बंद कर दें। उन्हें चड्डी बनियान पहनाकर एक निर्जीवीकृत यानी स्टेराइल कक्ष में घंटों तक रखा गया। फिर इस कक्ष की हवा और सतहों पर से सूक्ष्मजीवों के नमूने इकट्ठे किए गए।

इन नमूनों में उन्हें वालंटियर्स की त्वचा, आंतों, जनन मार्ग, फेफड़ों, नाक और मुंह के बैक्टीरिया का खज़ाना मिला। और तो और, 11 वालंटियर्स में से 8 की सूक्ष्मजीव धुंध इतनी अनूठी थी कि इसकी मदद से उनकी पहचान की जा सकती थी। शोधकर्ताओं का मत है कि उनकी यह खोज किसी दिन अपराध वैज्ञानिक खोजबीन में काम आएगी।

ज़ाहिर है कि अपने जीवन का 90 प्रतिशत समय तो हम इमारतों के अंदर बिताते हैं - चाहे घर पर या कार्यस्थल पर। और इस दौरान लोग हमारे साथ होते हैं। और इनमें से हर व्यक्ति प्रति घंटे लाखों बैक्टीरिया हवा में बिखेरता है। यानी हम और हमारे साथी दिन-रात अनजाने में इन हमसफर बैक्टीरिया का आदान-प्रदान करते रहते हैं। और अब जब आप जान गए हैं, तो भी कुछ कर नहीं सकते सिवाय इसके कि यह जानकारी कहीं आपकी अपने साथियों के बारे में राय को धुंधला न कर दे। ***(स्रोत फीचर्स)***

**वर्ग पहेली 133 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्लो | री | न | | अ | वि | भा | ज्य | |
| न | | क्ष | | | कि | | | झो |
| | मा | त्र | क | | र | ज | स्व | ला |
| | न | | ल | व | ण | | | छा |
| सं | क | र | | ल | | पा | द | प |
| व | | | आ | य | न | | बा | |
| ह | री | ति | मा | | स | जी | व | |
| न | | | श | | | व | | का |
| | सं | ल | य | न | | न | ज़ | ला |